② - गुण सन्धि ⇒ यदि अ/आ का मेल इ/ई / उ/ऊ /ऋ से हो तब यह क्रमशः ए ओ अर्

अ/आ + इ/ई = ए
अ/आ + उ/ऊ = ओ
अ/आ + ऋ = अर्

ट्रिक - शब्द के दूसरे या तीसरे वर्ण पर (ए, ओ, अर्) का (सिंगल मात्रा) बोध हो।
े, ो, र्

अ + इ = ए

शुभ + इच्छु = शुभेच्छु

प्र + इत = प्रेत

अन्त्य + इष्टि = अन्त्येष्टि

इतर + इतर = इतरेतर

मानव + इतर = मानवेतर

स्व + इच्छा = स्वेच्छा

आ + इ = ए

महा + इन्द्र = महेन्द्र

सुधा + इन्दु = सुधेन्दु

राजा + इन्द्र = राजेन्द्र

रमा + इन्द्र = रमेन्द्र

यथा + इष्ट = यथेष्ट

अ + ई = ए

खग + ईश = खगेश

गण + ईश = गणेश

सर्व + ईश्वर = सर्वेश्वर

उप + ईक्षा = उपेक्षा

सोम + ईश = सोमेश

परम + ईश्वर = परमेश्वर

आ + ई = ए

गुडाका + ईश = गुडाकेश

उमा + ईश = उमेश

महा + ईश्वर = महेश्वर

राजा + ईश = राजेश

लंका + ईश = लंकेश

राका + ईश = राकेश

अ + उ = ओ

प्राप्त + उदक = प्राप्तोदक

यज्ञ + उपवीत = यज्ञोपवीत

सह + उदर = सहोदर

जीर्ण + उद्धार = जीर्णोद्धार

अन्याय + उपाय = अन्यायोपाय

कठ + उपनिषद् = कठोपनिषद्

स + उदाहरण = सोदाहरण

भाग्य + उदय = भाग्योदय

अ + ऊ = ओ

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा

जल + ऊर्मि = जलोर्मि

सूर्य + ऊर्जा = सूर्योर्जा

समुद्र + ऊर्मि = समुद्रोर्मि

आ + उ = ओ

महा + उत्सव = महोत्सव

गंगा + उदक = गंगोदक

महा + उदय = महोदय

कथा + उपकथन = कथोपकथन

आ + ऊ = ओ

महा + ऊर्जा = महोर्जा

महा + ऊर्मि = महोर्मि

महा + ऊष्मा = महोष्मा

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

अ + ऋ = अर्

देव + ऋषि = देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

शीत + ऋतु = शीतर्तु

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

आ + ऋ = अर्

महा + ऋण = महर्ण

महा + ऋषि = महर्षि

महा + ऋद्धि = महर्द्धि

सदा + ऋतु = सदर्तु

गुण सन्धि

③- वृद्धि सन्धि => अ/आ + ए/ऐ = ऐ ै

अ/आ + ओ/औ = औ ौ

अथवा

ट्रिक- शब्द के दूसरे या तीसरे वर्ण पर (ऐ, औ) डबल मात्रा का बोध हो।

अ + ए = ऐ

त्र + ऐ → अ

तत्र + एव = तत्रैव

दिन + एक = दिनैक

लोक + एषणा = लोकैषणा

एक + एक = एकैक

अ + ऐ = ऐ

धन + ऐश्वर्य = धनैश्वर्य

भाव + ऐक्य = भावैक्य

मत + ऐक्य = मतैक्य

आ + ए = ऐ

सदा + एव = सदैव

तथा + एव = तथैव

आ + ऐ = ऐ

महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य

रमा + ऐश्वर्य = रमैश्वर्य

अ + ओ = औ

परम + ओज = परमौज

उष्ण + ओदन = उष्णौदन

दन्त + ओष्ठ = दन्तौष्ठ

अ + औ = औ

परम + औदार्य = परमौदार्य

परम + औषध = परमौषध

आ + ओ = औ

महा + ओज = महौज

महा + ओजस्वी = महौजस्वी

आ + औ = औ

महा + औदार्य = महौदार्य

महा + औषधि = महौषधि

वृद्धि

(4) - यण सन्धि ⇒ यदि इ, ई, उ, ऊ, ऋ का मेल किसी अन्य स्वर से हो तब यह य व र

अथवा

द्वित्व - शब्द का पहला या दूसरा वर्ण आधा हो तथा आधे वर्ण के बाद अन्तस्थ: व्यंजन (य, व, र, ल) हो।

इ + अ = य

ध् - द् + य

यदि + अपि = यद्यपि

वि + अवसाय = व्यवसाय

अति + अधिक = अत्यधिक

इ + आ = या

इति + आदि = इत्यादि

अति + आचार = अत्याचार

इ + उ = यु

उपरि + उक्त = उपर्युक्त

अति + उत्तम = अत्युत्तम

अभि + उदय = अभ्युदय

इ + ऊ = यू

नि + ऊन = न्यून

वि + ऊह = व्यूह

इ + ए = ये

अधि + एषणा = अध्येषणा

प्रति + एक = प्रत्येक

ई + ऐ = यै

देवी + ऐश्वर्य = देव्यैश्वर्य

सखी + ऐश्वर्य = सख्यैश्वर्य

ई + आ = या

देवी + आगमन = देव्यागमन

मही + आधार = मह्याधार | मह्याधार

उ + अ = व

सु + अच्छ = स्वच्छ

मनु + अन्तर = मन्वंतर

अनु + अय = अन्वय

उ + आ = वा

सु + आगत = स्वागत

मधु + आलय = मध्वालय

उ + इ = वि

अनु + इत = अन्वित

उ + ओ = वो

गुरु + ओदन = गुर्वोदन

ऊ + आ = वा

भू + आदि = भ्वादि

वधू + आगमन = वध्वागमन

ऋ + अ = र

त्र = त् + र

पितृ + अनुमति = पित्रनुमति

ऋ + आ = रा

मातृ + आज्ञा = मात्राज्ञा

पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा

ऋ + इ = रि

मातृ + इच्छा = मात्रिच्छा

पितृ + इच्छा = पित्रिच्छा

यण

लृ + आ = ला

लृ + आकृति = लाकृति

(ङ)- अयादि सन्धि ⇒ ए, ऐ, ओ, औ का मेल किसी अन्य स्वर से हो तब अय्, आय्, अव्, आव् में परिवर्तित हो जाते हैं।

ट्रिक- शब्द के बीच में व, य आए तो।

ए + अ = अय्

शे + अन = शयन

ने + अन = नयन

[redacted]

ऐ + अ = आय्

गै + अक = गायक

नै + अक = नायक

शै + अक = शायक

विनै + अक = विनायक

ऐ + इ = आयि

नै + इका = नायिका

गै + इका = गायिका

ओ + अ = अव्

पो + अन = पवन

भो + अन = भवन

श्रो + अन = श्रवण / श्रवन

ओ + इ = अवि

पो + इत्र = पवित्र

गो + इनि = गविनी

ओ + ई = अवी

गो + ईश = गवीश

औ + अ = आव्

पौ + अन = पावन

पौ + अक = पावक

औ + इ = आवि

नौ + इक = नाविक

भौ + इनि = भाविनी

स्वर - 5 ✓

औ + उ = आवु

भौ + उक = भावुक